PUBLICATION NAME :	Sandhya Prakash
EDITION :	Bhopal
DATE :	29/12/2021
PAGE :	6

ईडीआईआई ने उद्यमिता गतिशीलता पर सबसे बड़ा अध्ययन कराया

अहमदाबाद, एजेंसी। वैश्विक उद्यमिता मॉनिटर (जीईएम) सर्वेक्षण दुनिया में उद्यमिता गतिशीलता का सबसे बड़ा वार्षिक अध्ययन है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने राष्ट्रीय टीम लीडर और रिपोर्ट के प्रमुख लेखक के रूप में डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई के साथ जीईएम इंडिया सर्वे का नेतृत्व किया।

जीईएम इंडिया 2020-21 रिपोर्ट जो हाल ही में जारी की गई, भारतीयों के बीच उद्यमिता के प्रमुख पहलुओं को उनके दृष्टिकोण, गतिविधियों और आकांक्षाओं को मापकर बताती है। रिपोर्ट के निष्कर्ष नीति निर्माताओं को वर्तमान और संभावित नीतियों की समीक्षा के लिए एक आधार प्रदान करते हैं। नीति निर्माण के लिए प्रमुख निष्कर्षों और सिफारिशों पर उचित रूप से प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में 3,317 वयस्कों और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के सैंपल सर्वे का इस्तेमाल किया गया है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) द्वारा उद्यमिता गतिशीलता पर किए गए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में यह बताया गया है कि 82 प्रतिशत आबादी का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण होने वाली कठिनाइयों के बावजूद अपने क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने का अच्छा अवसर मौजूद है। ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) रिपोर्ट 2020-21 में यह भी बताया गया है कि 82 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि उनके पास व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान है। 47 अर्थव्यवस्थाओं में से भारत कथित रूप से तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट देश में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र पर महामारी के प्रभाव के बारे में भी जानकारी प्रदान करती है। इसमें बताया गया है कि युवाओं में असफलता का डर 1 फीसदी बढ़ा है यानी 2019-20 के 56 फीसदी से बढ़कर 2020-21 में 57 फीसदी हो गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि उद्यमशीलता के इरादे में कमी आई है और यह 2019-20 के 33.3 प्रतिशत से घटकर 2020-21 में 20.31 प्रतिशत हो गया है।

इसी तरह, कुल प्रारंभिक चरण की उद्यमशीलता गतिविधि (टीईए) भी महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई और पिछले वर्ष के 15 प्रतिशत की तुलना में 2020-21 में घटकर 5.34 प्रतिशत हो गई। विशेष रूप से, टीईए 18-64 आयु वर्ग के व्यक्तियों का कुल प्रतिशत है जो या तो नए उद्यमी हैं या नए व्यवसायों के मालिक/प्रबंधक हैं।

इसके अलावा, निष्कर्ष बताते हैं कि महामारी ने देश में कुल उद्यमशीलता गतिविधियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। हालांकि, युवतियों के मामले में यह अधिक गंभीर है। महिला उद्यमशीलता गतिविधियों में 79 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पुरुष उद्यमशीलता गतिविधियों में 53 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट यह भी बताती है कि महामारी का घरेलू आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत में, लगभग 44 प्रतिशत युवाओं का विचार था कि महामारी ने उनकी घरेलू आय को प्रभावित किया है।